बी० ए० स्नातक सेमेस्टर - I
विषय - संस्कृत, MJC - I

अनुवाद

वह व्याकरण जिसकी सम्मत प्रक्रिया, जिसके द्वारा किसी भाषा में अभिव्यक्त भावों, विचारों तथा तथ्यों को किसी दूसरी भाषा में ज्यों का त्यों स्पान्तरित किया जाता है, उसे 'अनुवाद' कहते हैं। संस्कृत अत्यन्त वैज्ञानिक भाषा है। अन्य भाषाओं की अपेक्षा संस्कृत की अनुवाद प्रक्रिया अत्यन्त सरल तथा वैज्ञानिक है। संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता के कारण ही इसमें कर्ता, कर्म, तथा क्रिया के पदों को वाक्य में कहीं भी (आगे, पीछे, मध्य) रखने पर वाक्य का अर्थ परिवर्तित नहीं होता है। अनुवाद की प्रक्रिया में संस्कृत भाषा की मातृभाषा हिन्दी

से निकटता भी संस्कृत भाषा सीखने में विशेष सहयोगी होती है। संस्कृत में कर्तृ, कर्म तथा भाववाच्य के भेद से तीन तरीके से अनुवाद किया जाता है, फिर भी छात्रों की उपयोगिता को दृष्टि में रखते हुए यहाँ कर्तृवाच्य को ध्यान में रखकर अनुवाद प्रक्रिया को प्रकाशित करने का प्रयास किया जा रहा है।

संस्कृत भाषा की अनुवाद प्रक्रिया को समझने लिए कारक, विभक्ति, वचन, लिङ्ग, पुरुष एवं लकार का ज्ञान होना आवश्यक है। इनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार से है-

@ पुरुष परिचय - संज्ञा तथा सर्वनाम के उन शब्दों को, जो बात कहने वाले, सुनने वाले तथा जिसके विषय में बात की जा रही है, के लिए प्रयुक्त होते हैं, उन्हें 'पुरुष' कहते हैं। पुरुष तीन प्रकार के होते हैं -

1. प्रथम पुरुष 2. मध्यम पुरुष
3. उत्तम पुरुष

प्रत्येक पुरुष में तीन वचन होते हैं -
1. एकवचन 2. द्विवचन 3. बहुवचन

1. प्रथम पुरुष - जिसके विषय में बात की जा रही है वह प्रथम पुरुष होता है। इसमें सभी संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है - जैसे- सीता लिखति। (सीता लिखती है।) सः खादति। (वह खाता है।)

2. मध्यमपुरुष - जिससे बात की जा रही है, वह मध्यम पुरुष होता है। इसमें युष्मद् (तुम) का प्रयोग होता है।
जैसे- त्वं पठसि। तुम पढ़ते हो।
यूयं क्रीडथ। तुम सब खेलते हो।

3. उत्तम पुरुष - बात को कहने वाला व्यक्ति उत्तमपुरुष होता है। इसमें अस्मद् (मैं) का प्रयोग होता है।
जैसे- मैं घर जाता हूँ। अहं गृहं गच्छामि। हमदोनों पुस्तक पढ़ते हैं। आवां पुस्तकं पठावः।

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमपुरुष	सः (वह) पुल्लिंग	तौ (वेदोनों) पु०	ते (वे सब) पुल्लिंग
	सा (वह) स्त्री०	ते (वेदोनों) स्त्री०	ताः (वे सब) स्त्रीलिंग
	अयं (यह) पु०	इमौ (येदोनों) पु०	इमे (ये सब) पु०
	रमा (रमा) स्त्री०	रमे (दो रमा) स्त्री०	रमाः (बहुत सी रमा) स्त्रीलिंग
	रामः (राम) पु०	रामौ (दो राम) पु०	रामाः (बहुत से राम) पुल्लिंग
मध्यमपुरुष	त्वम् (तुम)	युवाम् (तुमदोनों)	यूयम् (तुम सब)
उत्तमपुरुष	अहम् (मैं)	आवाम् (हमदोनों)	वयम् (हम सब)